DELHI PUBLIC SCHOOL,PALI

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2020– 2021

CLASS: VIII

SUBJECT: SANSKRIT

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जुलाई **कालांश**	1) कारक	1) लेखन कौशल का विकास 2) अभिव्यक्ति का विकास	1)कारको के द्वारा वाक्य रचना करना सिखाना।	**पी पी टी** **UNI – MUL-REL**	1) लेखन कौशल का विकासहोगा। **2)** अभिव्यक्ति काविकास होगा। 3)संस्कृत वाक्य निर्माण करना सीखेंगे।	**अभ्यास कार्य**
	2) नीतिनवनीतम्	❖ 1 संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना। ❖ श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना। ❖ संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना। ❖ नवीन संस्कृत शब्दों से परिचय करवाना। ❖ संस्कृत वाक्य निर्माण मे सक्षम बनाना।	❖ बड़ो का आदर करने की सीख देना। ❖ श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना। ❖ सुख–दुख में समान बने रहने की सीख देना। ❖ सच बोलने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि (1) श्लोकों का सस्वर गायन श्लोकानुवाद एवं व्याख्या PRE-MUL गतिविधि (2) किन्हीं अन्य पाँच नीति श्लोकों का संकलन व कक्षा में गाकर भावार्थ सहित सुनाना। PRE- गतिविधि (3) (लिखित अभिव्यक्ति) दिए गए पदों के आधार पर संस्कृत वाक्य निर्माण कीजिए। UNI –MUL- REL गतिविधि (4) नीति श्लोकों से मिलने वाली सीख को अपने शब्दों में लिखिए।	❖ संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास होगा। ❖ श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनेंगे। ❖ संस्कृत विषय में रुचि जागृत होगी। ❖ श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित होंगे। ❖ सुख–दुख में समान बने रहने की सीख प्राप्त होगी। ❖ सत्यमार्ग का अनुसरण करने हेतु प्रेरित होंगे।	किन्हीं अन्य पाँच नीति श्लोकों का संकलन व कक्षा में गाकर भावार्थ सहित सुनाना। के द्वारा

				MUL -REL		
	3) बिलस्य वाणी न कदापि मे श्रुता **व्याकरण** –शब्दरुप राजन् , तद् पुर्लिंग	1) संस्कृत के नवीन शब्दों व उनके अर्थ से परिचित कराना। 2)शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना। 3)संस्कृत पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि जागृत करना। 4)अव्यय शब्दों का अभ्यास कराना।	1)विश्लेषण क्षमता का विकास करना। 2)अवलोकन, दूरदर्शिता, त्वरित निर्णय क्षमता के महत्त्व से परिचित कराना।	गतिविधि (1) पाठ को कहानी के रूप में सुनाना । पाठ का वाचन नए शब्दों के अर्थ जानना – UNI-MUL-REL (2) उचित अव्ययों के द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति– PRE-REL लिखित गतिविधि (3) इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है? REL-EXT	1) संस्कृत के नवीन शब्दों व उनके अर्थ से परिचित होंगे। 2) शुद्ध वाचन का अभ्यास होगा। 3) संस्कृत पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि उत्पन्न होगी। 4) अव्यय शब्दों का अभ्यास होगा। 5) विश्लेषण क्षमता का विकास होगा। 6) अवलोकन, दूरदर्शिता, त्वरित निर्णय क्षमता के महत्त्व से परिचित होंगे।	रिक्त स्थानों की पूर्ति– के द्वारा
अगस्त **कालांश**	4) क्षितौ राजते भारतस्वर्णभूमिः	1. संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना। 2. श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना। 3. नवीन संस्कृत शब्दों से परिचय करवाना। 4. चित्र वर्णन का अभ्यास कराना। 5. आधुनिक समय में उपयोग हो रहे कुछ नए संस्कृत के शब्दों	राष्ट्र के प्रति सौंदर्य बोध जागृत कराना। देश की महिमा व संपन्नता, समृद्धि पूर्ण परंपरा से परिचित कराना। आत्म गौरव की अनुभूति कराना।	गतिविधि –भारत देश की महानता पर चर्चा करते हुए पाठ प्रवेश – PRE-MUL गतिविधि (1) श्लोकों का सस्वर गायन PRE-REL श्लोकानुवाद एवं व्याख्या PRE-MUL-REL गतिविधि (2) चित्राणि दृष्ट्वा ;मंजूषातः उपयुक्तपदानि गृहीत्वा वाक्यपूर्तिं कुरुत अस्त्राणाम्, भवति, अस्त्राणि, सैनिकाः, प्रयोगः, उपग्रहाणां PRE-MUL-REL	1. संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास होगा। 2. श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनेंगे। 3. संस्कृत के नवीन शब्दों से परिचित होंगे। 4. चित्र वर्णन का अभ्यास होगा। । 5. नए संस्कृत के शब्दों से परिचित होंगे। 6. राष्ट्र के प्रति सौंदर्य बोध जागृत होगा।	श्लोकानुवाद एवं व्याख्या के द्वारा

		से परिचित कराना। 6. संस्कृत वाक्य रचना का अभ्यास कराना।			7. देश की महिमा व संपन्नता, समृद्धि पूर्ण परंपरा से परिचित होंगे। 8. आत्म गौरव की अनुभूति होगी।	
	5) सदैव पुरतो निधेहि चरणम्	1 विधिलिंग का परिचय कराना। 2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास । 3 ध्यानपूर्वक सुनना। 4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास। 5 अव्यय पदों के अर्थ जानना।	1)अपने लक्ष्य से विचलित न होने की सीख देना। 2) निडर बनाना। 3) अपने देश के प्रति सम्मान का भाव जगाना। 4) विपरीत परिस्थितियों में हमेशा आगे बढ़ने की सीख देना।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2. पाठ का अनुवाद PRE-MUL- 3. पाठ में आए विधिलिंग पद छाँटिए। MUL-REL	1 विधिलिंग का परिचय हुआ। 2 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास हुआ । 3 ध्यानपूर्वक सुनने लगे। 4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ । । 5 अव्यय पदों के अर्थ जानने लगेंगे। 6 अपने लक्ष्य से विचलित न होनाजानेंगे। 7 निडर बनानासीखेंगे। 8 विपरीत परिस्थितियों में हमेशा आगे बढ़ना सीखेंगे।	पाठ में आए विधिलिंग पद छाँटिए।
	6) कंटकेनैव कंटकम् **व्याकरण** –लोट् लकार	**1** ऋकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान कराना। **2** लोट् लकार का परिचय । **3** सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास। **4** विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए स्पष्टता के साथ वाचन कराना। **5** हावभाव, उचित आरोह अवरोह के साथ	**1** तर्क पूर्वक अपनी बात कहना। 2 मुसीबत के समय प्रत्युत्पन्नमति से कार्य करना।	गतिविधि– 1 पाठ का वाचन 2पाठ का अनुवाद PRE-MUL 3पाठ में आए ऋकारान्त शब्द छाँटिए। PRE-MUL गतिविधि 4 –अनुच्छेद लेखन– **PRE-MUL-REL-EXT** गतिविधि 5 – कहानी का नाट्यरूपांतरण	**1)**वाचन कौशल का विकास होगा। 2) अपनी बात तर्कपूर्वक कहने लगेंगे। 3)ऋकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान होगा। **4)** लोट् लकार सेा परिचय होगा। **5)** सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में स्वविवेक से अनुवाद करने की क्षमता का विकास होगा। 6)हावभाव, उचित आरोह	कहानी का नाट्यरूपांतरण के द्वारा

		प्रस्तुति देना। **6** कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने में सक्षम बनाना।			अवरोह के साथ प्रस्तुति देना सीखेंगे। **7)** कठिन शब्दों को शुद्ध वर्तनी के साथ लिखने का प्रयास करने लगेंगे।	
सितंबर **कालांश**	7) गृहम् शून्यं सूताम् विना **व्याकरण** – अपठित बोध, अनुच्छेद लेखन	**1** वाचन कौशल का विकास करना। **2**संस्कृत प्रश्न निर्माण में सक्षम बनाना। **3** तत्सम शब्दों का अभ्यास कराना। 4 स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास कराना।	शिक्षा के महत्त्व को समझाना। 2 कन्या भ्रूण हत्या पर विचार विमर्श करना। 3 सर्व शिक्षा अभियान के महत्त्व को समझाना। 4 विश्लेषण करने की क्षमता का विकास कराना। 5 लिंग परीक्षण न कराना संबंधि अवधारणा स्पष्ट करना ।	प्रक्रिया पाठ पढ़ाने के पूर्व पाठ से संबंधित प्रश्न–प्रश्नोत्तर विधि द्वारा पाठ प्रवेश गतिविधि–(1) 1 पाठ का वाचन 2पाठ का अनुवाद PRE-MUL गतिविधि– (2) प्रश्न निर्माण कीजिए– PRE-MUL-EXT गतिविधि– (4) हिन्दी से कुछ संस्कृत के तत्सम् शब्दों को ढूँढ़ना। PRE-MUL	1 शिक्षा के महत्त्व को समझेंगे। 2 संस्कृत प्रश्न निर्माण में सक्षम होंगे। । 3 तत्सम शब्दों का अभ्यास होगा। 4 वाचन कौशल का विकास होगा। 5 विश्लेषण करने की क्षमता का विकास होगा।	प्रश्न निर्माण के द्वारा
अक्टूबर –	पुनरावृत्ति**I TERM END EXAMINATION**					
नवम्बर **कालांश**	1) डिजी भारत	1 संस्कृत भाषा के नवीन व सरल शब्दों से परिचित कराना । 2 प्रश्न–निर्माण कला का अभ्यास कराना। 3 संस्कृत पढ़ने लिखने के प्रति रूचि जागृत करना। 4 संधि के सामान्य स्वरूप से परिचय कराना। 5 संस्कृत वाक्य निर्माण	1 डिजिटल इंडिया के महत्त्व को समझाना। देश में हो रहे तकनीकी विकास से परिचित कराना। 2 'इंटरनेट के प्रयोग से हम भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे के कितने निकट आ गए हैं' भाव से परिचित कराना।	**प्रक्रिया** – बच्चे अपने सामान्य जीवन में किन डिजिटल चीजों का उपयोग करते हैं ? तथा उनका किस प्रकार प्रयोग करते हैं ? चर्चा करते हुए पाठ प्रवेश– UNI-MUL-REL **गतिविधि** – गतिविधि 1 पाठ का वाचन। गतिविधि 2 पाठ का अर्थ ज्ञापन। PRE-MUL सन्धिं कृत्वा लिखत– PRE-REL उदाहरणमनुसृत्य पदेन लघु वाक्य निर्माणं	1 संस्कृत भाषा के नवीन व सरल शब्दों से परिचित होंगे। 2 प्रश्न निर्माण का अभ्यास होगा। 3 संस्कृत पढ़ने लिखने के प्रति जागृति आएगी। 4 संधि के सामान्य स्वरूप से	सन्धि के द्वारा

		कला में निपुण बनाना।	3 बढ़ रहे (कैशलैस ट्रांजैक्शन) मुद्रा हीन विनिमय की विशेषता से परिचित कराना।	कुरुत– UNI - REL	परिचितहोंगे। 5 संस्कृत वाक्य निर्माण कला में निपुण बनेंगे। 6 डिजिटल इंडिया के महत्त्व को समझेंगे। 7 देश में तकनीकी विकास से परिचित होंगे । 8 'इंटरनेट के प्रयोग से हम भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे की कितने निकट आ गए हैं' भाव से परिचित होंगे । 10 बढ़ रहे (कैशलैस ट्रांजैक्शन)'मुद्रा हीन विनिमय' की विशेषता से परिचित होंगे ।	

	2) सावित्रीबाई फुले **व्याकरण** –संधि	**1)** वाचन कौशल का विकास करना। **2)** पाठगत सर्वनाम शब्दों का परिचय कराना। **3)**लंग लकार का अभ्यास कराना। 4) संस्कृत वाक्यों का स्वविवेक से निर्माण कराना। 5) स्वविवेक से प्रश्नों के उत्तर लिखने की क्षमता का विकास कराना।	1) शिक्षा के महत्त्व को समझाना। 2) शिक्षा मौलिक अधिकार है। इस बारे में जानकारी देना।	(1) मलाला पर आधारित संस्कृत लेख का कक्षा में वाचन / स्त्री शिक्षा अथवा शक्ति से संबंधित पाँच संस्कृत वाक्यों का निर्माण। PRE -MUL गतिविधि– (2) 1 पाठ का वाचन 2पाठ का अनुवाद PRE-MUL गतिविधि– (3) पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तर लिखने हेतु दिए जाएँगे। PRE-MUL-REL गतिविधि– (4) संस्कृत वाक्यों का निर्माण कीजिए–स्वकीयम् , सक्रिया , मुखरम् , सर्वथा REL-EXT	1 शिक्षा के महत्त्व को समझेंगे। 2 शिक्षा के अधिकार को जानेंगे। **3** संस्कृत वाक्यों का स्वविवेक से निर्माण करना सीखेंगे। 4 वाचन कौशल का विकास होगा। 5 सर्वनाम शब्दों से परिचय होगा।	संस्कृत वाक्यों का निर्माण के द्वारा
दिसम्बर 19 **कालांश 5**	**3)** कः रक्षितः कः रक्षति **व्याकरण**–इदम् , पु , गुरू विधिलिंग	1)प्लास्टिक के बढ़ते प्रभाव से परिचित करवाना । 2)सामान्य उपयोग के संस्कृत शब्दों से परिचित करवाना। 3) संस्कृत अंकों से परिचित करवाना ।	1)प्लास्टिक के दुष्प्रभाव की प्रति जागरूकता उत्पन्न करना । 2)पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना । 3)स्वच्छता के महत्त्व से परचिय करवाना। **4**)प्रदूषण की ओर ध्यान आकर्षित करना।	गतिविधि–(1) दिए गए अंको के लिए संस्कृत शब्द लिखिए – 67 98 , 54 , 72 , 87 68 REL गतिविधि– (2) आप अपने दैनिक जीवन में सामान्य रूप से किन – किन प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग करते हैं , सूची बनाओ – PRE-MUL-REL गतिविधि– (3) पर्यावरण संरक्षण पर पोष्टर निर्माण / नारे लेखन	1)प्लास्टिक के बढ़ते प्रभाव से परिचित हुए। 2)सामान्य उपयोग के संस्कृत शब्दों से परिचित होंगे । 3)संस्कृत अंकों से परिचित होंगे । 4)प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी । 5)पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी। 6)स्वच्छता के महत्त्व को समझेंगे।	अंको के लिए संस्कृत शब्द लिखिए –के द्वारा
जनवरी23 **कालांश 7**	**4)**सुभाषितानि	1 संस्कृत पद्य को समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास । 2 ध्यानपूर्वक सुनना। 3 अर्थग्रहण करने की क्षमता	1)गुणों के प्रभाव के बारे में जानेंना। 2) महापुरुषों के स्वभाव के बारे में जानना। 3)शिक्षा का महत्त्व को	गतिविधि 1 श्लोकों का सस्वर गायन श्लोकानुवाद एवं व्याख्या PRE-MUL-REL गतिविधि 3प्रश्न निर्माण करो – PRE-MUL-REL	1 संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास होगा। 2 संस्कृत पद्य को	प्रश्न निर्माण के द्वारा

		का विकास। 4 संस्कृत श्लोकों के गायन का अभ्यास कराना।	जानना। 4) परिवार में नारी के महत्त्व को जानना।		समझकर अनुवाद करने की क्षमता का विकास होगा। 3 ध्यानपूर्वक सुनने लगेंगे। 4 अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास होगा।	
	5) आर्यभटः	1 संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचित करवाना । 2 संस्कृत वाक्य निर्माण में सक्षम बनाना । 3 संस्कृत वाचन कला में निपुण बनाना ।	1 भारतीय मनीषियों के गणित विषय में योगदान से परिचित करवाना । 2 समृद्ध भारतीय संस्कृत साहित्य से परिचित करवाना ।	1 आर्यभट्ट के अतिरिक्त अन्य महान गणितज्ञों के नाम , उनके ग्रंथों की सूची तैयार करना।MUL-REL 2 दिए गए पदों के आधार पर संस्कृत वाक्य निर्माण कीजिए। परितः , समृद्धः , गणितज्ञः , गोलदीपः MUL-REL	1)संस्कृत भाषा के नवीन शब्दों से परिचित हुए। 2)संस्कृत वाक्य निर्माण में सक्षम हुए। 3)संस्कृत वाचन कला में निपुणता की ओंर अग्रसर हुए। 4)भारतीय मनीषियों के गणित विषय में योगदान से परिचित हुए। 5)समृद्ध भारतीय संस्कृत साहित्य से परिचित हुए।	संस्कृत वाक्य निर्माण के द्वारा
	6)श्लोकाः'	1)संस्कृत विषय में रुचि जागृत करना। 2)श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम बनाना।	1)सत्य व परोपकार का महत्त्व समझाना। 2)श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित करना।	गतिविधि– 1 पद्य का वाचन 2 पद्य का अनुवाद PRE-MUL गतिविधि 3प्रश्न निर्माण। MUL-REL	1) श्लोकों में निहित भावार्थ को समझने में सक्षम हुए। 2) संस्कृत विषय में रुचि जागृत हुई। 3) श्लोकों में निहित मूल्यों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित हुए।	प्रश्नों के द्वारा
फरवरी 23 **कालांश 7**	7) प्रहेलिका **व्याकरण–**	1) विषय वस्तु से संबंध स्थापित करना ।	1) तार्किक चिंतन के लिए प्रेरित करना ।	अन्य संस्कृत प्रहेलिकाओं का संकलन करना / शिक्षको के द्वारा बच्चों को सुनाना ।	1) विषय वस्तु से संबंध स्थापित करना	प्रहेलिकाओं का संकलन के द्वारा

	अपठित बोध संवाद लेखन	2) नवीन संस्कृत शब्दों से परिचय करवाना।	2) समस्या समाधान करना सिखाना	PRE-MUL-REL	सीखेंगे। 2) नवीन संस्कृत शब्दों से परिचित होंगे। 3) तार्किक चिंतन कि ओर अग्रसर होंगे। 4) समस्या समाधान करना सीखेंगे।	
मार्च 17 **कालांश 5**	पुनरावृत्ति	II TERM END EXAMINATION				